Medical Bulletin

SCRUB TYPHUS SPECIAL

Indira Gandhi Medical College and Associated Hospitals Shimla
Himachal Pradesh (171001)

सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयाः।

स्क्रब टायफस (scrub-typhus-fever)

क्या होता है स्क्रब टाइफस बुखार

आजकल डेंगू, चिकनगुनिया के साथ स्क्रब टाइफस (scrub typhus fever in hindi) नाम के तीसरे बुखार का सबसे ज्यादा जिक्र हो रहा है। स्क्रब टायफस एक बैक्टीरियल इंफेक्शन है, जो जानलेवा है। इसके लक्षण चिकनगुनिया जैसे ही होते हैं। यह घास में रहने वाले कीड़ों में पलने वाले पिस्सू की वजह से फैलता है। डेंगू और चिकनगुनिया का प्रकोप जहां शहरी क्षेत्रों में ज्यादा होता है, वहीं स्क्रब टायफस के मामले गांवों में ज्यादा पाए जाते हैं।

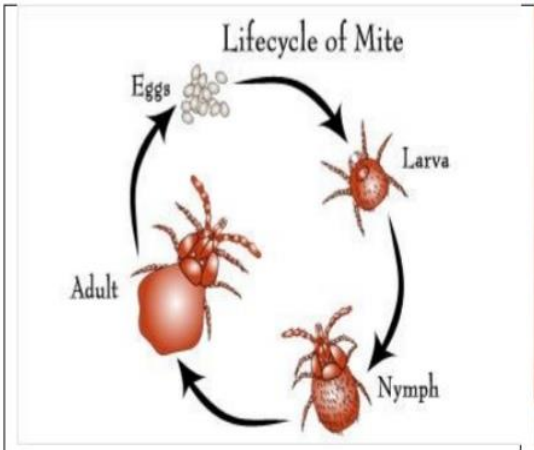

scrub mite

स्क्रब टाइफस के लक्षण (symptoms of scrub typhus)

टाइफस ज्वर (scrub typhus fever) में सिरदर्द, सर्दी लगना, बुखार, शरीर में दर्द तथा तीसरे से पाँचवें दिन के बीच शरीर पर लाल दाने निकलने जैसे लक्षण होते हैं। रोग में सभी या कुछ लक्षण सामने आ सकते हैं। रोग की अवधि दो से तीन सप्ताह की होती है।

क्यों होता है स्क्रब टाइफस (scrub typhus fever)

यह बुखार कई जाति के "रिकेट्सिया" (Rickettsia) द्वारा उत्पन्न रोगों का समूह है और मूल रूप से यह कीटों द्वारा फैलता है। कीड़ों में "रिकेट्सिया" नाम के सूक्ष्म जीव होते हैं, जिन्हें जीवाणु और विषाणु के बीच रखा जा सकता है। आकार में ये हाफ म्यू (1/2,000 मिमी) से भी कम होते हैं। समान्यत: ये जूँ इत्यादि कीड़ों की आहारनली में रहते हैं। इसका नामकरण 1916 में द रोशालिमा ने ने रिकेट्स और

प्रोवाजेक नामक दो वैज्ञानिकों की स्मृति में रिकेट्सिया प्रोवाजेकी (Rickettsia Prowazekii) रखा गया। इन दोनों वैज्ञानिकों की मौत इसी बीमारी के शोध के दौरान इन जीवों के संक्रमण की वजह से हुई थी।

रिकेट्सियाजन्य बुखारों को छह मुख्य वर्गों में रखा जाता है:
(1) टाइफस ज्वर (2) स्पाटेड फीवर (Spotted fever) या चित्तेदार ज्वर (3) रिकेट्सियल पावस (4) सुटसुगमूशी (Tsutsugamushi) रोग (5) क्यू ज्वर (6) ट्रेंच फीवर।

स्क्रब टाइफस का प्रभाव (scrub typhus fever symptoms)

संक्रमित होने के पाँच से लेकर 12 दिनों तक के अंदर रोग के लक्षण सामने आने लगते हैं। शुरूआत में सिरदर्द, भूख न लगना, तबियत का भारीपन अनुभव होने के बाद अचानक सर्दी लगकर तेज बुखार चढ़ता है और बहुत ज्यादा कमजोरी हो जाती है। कई लोग जी मिचलाने की शिकायत भी करते हैं। बुखार सात से लेकर 12 दिन तक रहता है। बुखार बिगड़ने की स्थिती में कमजोरी बढ़ती है। बेहोशी और हृदय सम्बन्धी समस्याएं सामने आती है। बुखार के चौथे से लेकर छठे दिन तक के भीतर शरीर पर दाने निकल आते हैं। गहरे लाल रंग के ये दाने दो से लेकर पाँच मिलिमीटर तक के होते है और सारे शरीर पर निकलते हैं। यह रोग कम उम्र के लोगों के लिए खतरनाक नहीं होता, परंतु 40 वर्ष से ऊपर की आयु के पचास प्रतिशत रोगी और 60 वर्ष से ऊपर के मरीज के लिए यह प्राणघातक हो सकता है।

AFIP D-44-51

Figure 3.—Eschar on ankle in tsutsugamushi disease.

स्क्रब टाइफस से बचाव और उपचार (scrub typhus fever treatment)

यह रोग ज्यादातर कीड़ों के माध्यम से ही फैलता है इसलिए सबसे जरूरी है कि आस—पास झाड़ियां और घासफूस न पनपे। अगर आपके किचन गार्डन में कीड़ों का प्रकोप है तो उचित दवा के इस्तेमाल से इन्हें नियंत्रण में रखे। गार्डन और पेड़—पौधों से युक्त जगहों तक जहां तक हो सके इसके रोग के प्रसार के वक्त जाने से बचे।

इस रोग के उपचार के लिए antibiotic Doxycycline and Azithromycin (free in all government hospitals) कारगर हैं।